**Hippolyte, Euripide**

**15.11.2023 Extrait 8 : 790-821** (Diggle p242)

Thésée arrive au palais et trouve Phèdre morte – Chloé Michlig

ΘΗΣΕΥΣ

**790** γυναῖκες, ἴστε τίς ποτ᾿ ἐν δόμοις βοὴ

|  |
| --- |
|  |
|  |

**†ἠχὼ βαρεῖα προςπόλων† ἀφίκετο; ( Diggle)**

 *- ἠχοῖ βαρείᾳ προσπόλων <μ᾿> ἀφίκετο; (Loeb) –*

|  |
| --- |
|  |
|  |
|  |

οὐ γάρ τί μ᾿ ὡς θεωρὸν ἀξιοῖ δόμος

|  |
| --- |
|  |
|  |

πύλας ἀνοίξας εὐφρόνως προσεννέπειν.

|  |
| --- |
|  |
|  |

μῶν Πιτθέως τι γῆρας εἴργασται νέον;

|  |
| --- |
|  |
|  |

**795** πρόσω μὲν ἤδη βίοτος, ἀλλ᾿ ὅμως ἔτ᾿ ἂν

|  |
| --- |
|  |
|  |

λυπηρὸς ἡμῖν τούσδ᾿ ἂν ἐκλίποι δόμους.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΧΟΡΟΣ

**797** οὐκ ἐς γέροντας ἥδε σοι τείνει τύχη,

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΧΟΡΟΣ suite **798** Θησεῦ· νέοι θανόντες ἀλγύνουσί σε.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΘΗΣΕΥΣ

οἴμοι, τέκνων μοι μή τι συλᾶται βίος;

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΧΟΡΟΣ

**800** ζῶσιν, θανούσης μητρὸς ὡς ἄλγιστά σοι.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΘΗΣΕΥΣ

τί φῄς; ὄλωλεν ἄλοχος; ἐκ τίνος τύχης;

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΧΟΡΟΣ

802 βρόχον κρεμαστὸν ἀγχόνης ἀνήψατο.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΘΗΣΕΥΣ

λύπῃ παχνωθεῖσ᾿ ἢ ἀπὸ συμφορᾶς τίνος;

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΧΟΡΟΣ

τοσοῦτον ἴσμεν· ἄρτι γὰρ κἀγὼ δόμους,

|  |
| --- |
|  |
|  |

**805** Θησεῦ, πάρειμι σῶν κακῶν πενθήτρια.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΘΗΣΕΥΣ

**806** αἰαῖ**,** (D.) **·** (L.) τί δῆτα τοῖσδ᾿ ἀνέστεμμαι κάρα

|  |
| --- |
|  |
|  |

πλεκτοῖσι φύλλοις, δυστυχὴς θεωρὸς ὤν;

|  |
| --- |
|  |
|  |

808 χαλᾶτε κλῇθρα, πρόσπολοι, πυλωμάτων,

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἐκλύεθ᾿ ἁρμούς, ὡς ἴδω πικρὰν θέαν

|  |
| --- |
|  |
|  |

**810** γυναικός, ἥ με κατθανοῦσ᾿ ἀπώλεσεν.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΧΟΡΟΣ

ἰὼ ἰὼ τάλαινα μελέων κακῶν·

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἔπαθες, εἰργάσω τοσοῦτον ὥστε τούσδε συγχέαι δόμους,

|  |
| --- |
|  |
|  |

αἰαῖ <**αἰαῖ** >(D. 1 seule fois, crochets L.) τόλμας,βιαίως (D.) *(βιαίῳ-L.)* θανοῦσ᾿ **815** ἀνοσίῳ τε συμφορᾷ,

|  |
| --- |
|  |
|  |
|  |

σᾶς χερὸς πάλαιεμα μελέας. (D.) (*- σᾶς πάλαισμα μελέας χερός. L.* - ordre des mots différent)

τί ἄρα σὰν, τάλαιν᾿, ἀμαυροῖ ζόαν;

|  |
| --- |
|  |
|  |
|  |

ΘΗΣΕΥΣ

(στρ. Ceci est une note présente partout ??) ὤμοι ἐγὼ πόνων· ἔπαθον, ὦ τάλας,

|  |
| --- |
|  |
|  |

τὰ μάκιστ᾿ ἐμῶν κακῶν. ὦ τύχα,

|  |
| --- |
|  |
|  |

ὥς μοι βαρεῖα καὶ δόμοις ἐπεστάθης,

|  |
| --- |
|  |
|  |

**820** κηλὶς ἄφραστος ἐξ ἀλαστόρων τινός·

|  |
| --- |
|  |
|  |

κατακονὰ μὲν οὖν ἀβίοτος βίου.

|  |
| --- |
|  |
|  |

**22.11.2023 Extrait 9 : 856-886** (Diggle p245 Loeb p206)

 Thésée découvre la tablette laissée par Phèdre - Igor Kusar

ΘΗΣΕΥΣ

ἔα ἔα·

**856** τί δή ποθ᾿ ἥδε δέλτος ἐκ φίλης χερὸς

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἠρτημένη; θέλει τι σημῆναι νέον;

|  |
| --- |
|  |
|  |

858 ἀλλ᾿ ἦ λέχους μοι καὶ τέκνων ἐπιστολὰς

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἔγραψεν ἡ δύστηνος, ἐξαιτουμένη;

|  |
| --- |
|  |
|  |

**860** θάρσει, τάλαινα· λέκτρα γὰρ τὰ Θησέως

|  |
| --- |
|  |
|  |

οὐκ ἔστι δῶμά θ᾿ ἥτις εἴσεισιν γυνή.

|  |
| --- |
|  |
|  |

862 καὶ μὴν τύποι γε σφενδόνης χρυσηλάτου

|  |
| --- |
|  |
|  |

τῆς οὐκέτ᾿ οὔσης οἵδε προσσαίνουσί με.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΘΗΣΕΥΣ fin **864** φέρ᾿ ἐξελίξας περιβολὰς σφραγισμάτων

|  |
| --- |
|  |
|  |

**865** ἴδω τί λέξαι δέλτος ἥδε μοι θέλει.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΧΟΡΟΣ

φεῦ φεῦ, τόδ᾿ αὖ νεοχμὸν ἐκδοχαῖς

|  |
| --- |
|  |
|  |

867 ἐπεισφρεῖ θεὸς κακόν. †ἐμοὶ [μὲν οὖν ἀβίοτος βίου]

|  |
| --- |
|  |
|  |

τύχα πρὸς τὸ κρανθὲν εἴη τυχεῖν†

|  |
| --- |
|  |
|  |

869 ὀλομένους γάρ, οὐκέτ᾿ ὄντας, λέγω,

|  |
| --- |
|  |
|  |

**870** φεῦ φεῦ, τῶν ἐμῶν τυράννων δόμους.

|  |
| --- |
|  |
|  |

[ὦ δαῖμον, εἴ πως ἔστι, μὴ σφήλῃς δόμους,

|  |
| --- |
|  |
|  |

αἰτουμένης δὲ κλῦθί μου· πρὸς γάρ τινος

|  |
| --- |
|  |
|  |

**873** οἰωνὸν ὥστε μάντις εἰσορῶ κακόν.]

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΘΗΣΕΥΣ

οἴμοι, τόδ᾿ οἷον ἄλλο πρὸς κακῷ κακόν,

|  |
| --- |
|  |
|  |

**875** οὐ τλητὸν οὐδὲ λεκτόν· ὦ τάλας ἐγώ.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΧΟΡΟΣ

876 τί χρῆμα; λέξον, εἴ τί μοι λόγου μέτα.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΘΗΣΕΥΣ

877 βοᾷ βοᾷ δέλτος ἄλαστα. πᾶι φύγω

|  |
| --- |
|  |
|  |

βάρος κακῶν; ἀπὸ γὰρ ὀλόμενος οἴχομαι,

|  |
| --- |
|  |
|  |

οἷον οἷον εἶδον γραφαῖς μέλος (L. *μέλος* ***ἐν*** *γραφαῖς*)

|  |
| --- |
|  |
|  |

**880** φθεγγόμενον τλάμων.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΧΟΡΟΣ

**881** αἰαῖ, κακῶν ἀρχηγὸν ἐκφαίνεις λόγον.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΘΗΣΕΥΣ

τόδε μὲν οὐκέτι στόματος ἐν πύλαις

|  |
| --- |
|  |
|  |

καθέξω δυσεκπέρατον ὀλοὸν (L. *<λόγοι-σιν> ὀλοὸν* ) κακόν· ἰὼ πόλις.

|  |
| --- |
|  |
|  |
|  |

**885** Ἱππόλυτος εὐνῆς τῆς ἐμῆς ἔτλη θιγεῖν

|  |
| --- |
|  |
|  |

βίᾳ, τὸ σεμνὸν Ζηνὸς ὄμμ᾿ ἀτιμάσας.

|  |
| --- |
|  |
|  |

**29.11.2023 Extrait 10 : 943-970** (Diggle p249 Loeb p214)

 Accusations de Thésée contre Hippolyte

ΘΗΣΕΥΣ

**943** σκέψασθε δ᾿ ἐς τόνδ᾿, ὅστις ἐξ ἐμοῦ γεγὼς

|  |
| --- |
|  |
|  |

ᾔσχυνε τἀμὰ λέκτρα κἀξελέγχεται

|  |
| --- |
|  |
|  |

**945** πρὸς τῆς θανούσης ἐμφανῶς κάκιστος ὤν.

|  |
| --- |
|  |
|  |

δεῖξον δ᾿, ἐπειδή γ᾿ ἐς μίασμ᾿ ἐλήλυθα,

|  |
| --- |
|  |
|  |

947 τὸ σὸν πρόσωπον δεῦρ᾿ ἐναντίον πατρί.

|  |
| --- |
|  |
|  |

σὺ δὴ θεοῖσιν ὡς περισσὸς ὢν ἀνὴρ

|  |
| --- |
|  |
|  |

ξύνει; σὺ σώφρων καὶ κακῶν ἀκήρατος;

|  |
| --- |
|  |
|  |

**950** οὐκ ἂν πιθοίμην τοῖσι σοῖς κόμποις ἐγὼ

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΘΗΣΕΥΣ suite **951** θεοῖσι προσθεὶς ἀμαθίαν φρονεῖν κακῶς.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἤδη νυν αὔχει καὶ δι᾿ ἀψύχου βορᾶς

|  |
| --- |
|  |
|  |
|  |

953 σίτοις καπήλευ᾿ Ὀρφέα τ᾿ ἄνακτ᾿ ἔχων

|  |
| --- |
|  |
|  |

βάκχευε πολλῶν γραμμάτων τιμῶν καπνούς·

|  |
| --- |
|  |
|  |

**955** ἐπεί γ᾿ ἐλήφθης. τοὺς δὲ τοιούτους ἐγὼ

|  |
| --- |
|  |
|  |

φεύγειν προφωνῶ πᾶσι· θηρεύουσι γὰρ

|  |
| --- |
|  |
|  |

957 σεμνοῖς λόγοισιν, αἰσχρὰ μηχανώμενοι.

|  |
| --- |
|  |
|  |

τέθνηκεν ἥδε· τοῦτό σ᾿ ἐκσώσειν δοκεῖς;

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἐν τῷδ᾿ ἁλίσκῃ πλεῖστον, ὦ κάκιστε σύ·

|  |
| --- |
|  |
|  |
|  |

ΘΗΣΕΥΣ suite **960** ποῖοι γὰρ ὅρκοι κρείσσονες, τίνες λόγοι

|  |
| --- |
|  |
|  |

τῆσδ᾿ ἂν γένοιντ᾿ ἄν, ὥστε σ᾿ αἰτίαν φυγεῖν;

|  |
| --- |
|  |
|  |
|  |

μισεῖν σε φήσεις τήνδε, καὶ τὸ δὴ νόθον

|  |
| --- |
|  |
|  |

963 τοῖς γνησίοισι πολέμιον πεφυκέναι;

|  |
| --- |
|  |
|  |

κακὴν ἄρ᾿ αὐτὴν ἔμπορον βίου λέγεις,

|  |
| --- |
|  |
|  |

**965** εἰ δυσμενείᾳ σῇ τὰ φίλτατ᾿ ὤλεσεν.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἀλλ᾿ ὡς τὸ μῶρον ἀνδράσιν μὲν οὐκ ἔνι,

|  |
| --- |
|  |
|  |

967 γυναιξὶ δ᾿ ἐμπέφυκεν; οἶδ᾿ ἐγὼ νέους

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΘΗΣΕΥΣ suite **968** οὐδὲν γυναικῶν ὄντας ἀσφαλεστέρους,

|  |
| --- |
|  |
|  |

ὅταν ταράξῃ Κύπρις ἡβῶσαν φρένα·

|  |
| --- |
|  |
|  |

**970** τὸ δ᾿ ἄρσεν αὐτοὺς ὠφελεῖ προσκείμενον.

|  |
| --- |
|  |
|  |

**06.12.2023 Extrait 11 : 993-1020** ( Diggle p251 - Loeb p219)

 Défense d’Hippolyte

ΙΠΠΟΛΥΤΟΣ

**993** οὐκ ἀντιλέξοντ᾿. εἰσορᾷς φάος τόδε

|  |
| --- |
|  |
|  |

καὶ γαῖαν· ἐν τοῖσδ᾿ οὐκ ἔνεστ᾿ ἀνὴρ ἐμοῦ,

|  |
| --- |
|  |
|  |

**995** οὐδ᾿ ἢν σὺ μὴ φῇς, σωφρονέστερος γεγώς.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἐπίσταμαι γὰρ πρῶτα μὲν θεοὺς σέβειν

|  |
| --- |
|  |
|  |

997 φίλοις τε χρῆσθαι μὴ ἀδικεῖν πειρωμένοις

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἀλλ᾿ οἷσιν αἰδὼς μήτ᾿ ἐπαγγέλλειν κακὰ

|  |
| --- |
|  |
|  |

μήτ᾿ ἀνθυπουργεῖν αἰσχρὰ τοῖσι χρωμένοις,

|  |
| --- |
|  |
|  |

**1000** οὐκ ἐγγελαστὴς τῶν ὁμιλούντων, πάτερ,

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΙΠΠΟΛΥΤΟΣ suite **1001** ἀλλ᾿ αὑτὸς οὐ παροῦσι κἀγγὺς ὢν φίλοις.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἑνὸς δ᾿ ἄθικτος, ᾧ με νῦν ἔχειν δοκεῖς·

|  |
| --- |
|  |
|  |

λέχους γὰρ ἐς τόδ᾿ ἡμέρας ἁγνὸν δέμας**.** (D.)(**·** L.)

|  |
| --- |
|  |
|  |

οὐκ οἶδα πρᾶξιν τήνδε πλὴν λόγῳ κλύων

|  |
| --- |
|  |
|  |

**1005** γραφῇ τε λεύσσων· οὐδὲ ταῦτα γὰρ σκοπεῖν

|  |
| --- |
|  |
|  |

πρόθυμός εἰμι, παρθένον ψυχὴν ἔχων.

|  |
| --- |
|  |
|  |

1007 καὶ δὴ τὸ σῶφρον τοὐμὸν οὐ πείθει σ᾿· ἴτω·

|  |
| --- |
|  |
|  |

δεῖ δή σε δεῖξαι τῷ τρόπῳ διεφθάρην.

|  |
| --- |
|  |
|  |

πότερα τὸ τῆσδε σῶμ᾿ ἐκαλλιστεύετο

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΙΠΠΟΛΥΤΟΣ suite **1010** πασῶν γυναικῶν; ἢ σὸν οἰκήσειν δόμον

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἔγκληρον εὐνὴν προσλαβὼν ἐπήλπισα;

|  |
| --- |
|  |
|  |

**1012** [μάταιος ἆρ᾿ ἦν, οὐδαμοῦ μὲν οὖν φρενῶν.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἀλλ᾿ ὡς τυραννεῖν ἡδὺ τοῖσι σώφροσιν;

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἥκιστ᾿, ἐπεί τοι τὰς φρένας διέφθορεν

|  |
| --- |
|  |
|  |

**1015** θνητῶν ὅσοισιν ἁνδάνει μοναρχία.] (D. ne met pas les crochets)

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἐγὼ δ᾿ ἀγῶνας μὲν κρατεῖν Ἑλληνικοὺς

|  |
| --- |
|  |
|  |

1017 πρῶτος θέλοιμ᾿ ἄν, ἐν πόλει δὲ δεύτερος

|  |
| --- |
|  |
|  |

σὺν τοῖς ἀρίστοις εὐτυχεῖν ἀεὶ φίλοις·

|  |
| --- |
|  |
|  |

πράσσειν τε γὰρ πάρεστι, κίνδυνός τ᾿ ἀπὼν

|  |
| --- |
|  |
|  |
|  |

**1020** κρείσσω δίδωσι τῆς τυραννίδος χάριν.

|  |
| --- |
|  |
|  |
|  |

Bailly : particul. en parl. des dieux, au sg. ὁ κρείττων, la divinitéplur. neutre τὰ κρείσσω, m. sign. EUR. Ion 992

**13.12.2023 Extrait 12 : 1198-1226** ( Diggle p260 - Loeb p238)

 Récit du messager

ΑΓΓΕΛΟΣ

**1198** ἐπεὶ δ᾿ ἔρημον χῶρον εἰσεβάλλομεν,

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἀκτή τις ἔστι τοὐπέκεινα τῆσδε γῆς

|  |
| --- |
|  |
|  |

**1200** πρὸς πόντον ἤδη κειμένη Σαρωνικόν.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἔνθεν τις ἠχὼ χθόνιος, ὡς βροντὴ Διός,

|  |
| --- |
|  |
|  |

1202 βαρὺν βρόμον μεθῆκε, φρικώδη κλυεῖν·

|  |
| --- |
|  |
|  |

ὀρθὸν δὲ κρᾶτ᾿ ἔστησαν οὖς τ᾿ ἐς οὐρανὸν

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἵπποι, παρ᾿ ἡμῖν δ᾿ ἦν φόβος νεανικὸς

|  |
| --- |
|  |
|  |

**1205** πόθεν ποτ᾿ εἴη φθόγγος. ἐς δ᾿ ἁλιρρόθους

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΑΓΓΕΛΟΣ suite ἀκτὰς ἀποβλέψαντες ἱερὸν εἴδομεν

|  |
| --- |
|  |
|  |

**1207** κῦμ᾿ οὐρανῷ στηρίζον, ὥστ᾿ ἀφῃρέθη

|  |
| --- |
|  |
|  |

Σκίρωνος ἀκτὰς ὄμμα τοὐμὸν εἰσορᾶν,

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἔκρυπτε δ᾿ Ἰσθμὸν καὶ πέτραν Ἀσκληπιοῦ.

|  |
| --- |
|  |
|  |

**1210** κἄπειτ᾿ ἀνοιδῆσάν τε καὶ πέριξ ἀφρὸν

|  |
| --- |
|  |
|  |

πολὺν καχλάζον ποντίῳ φυσήματι

|  |
| --- |
|  |
|  |

1212 χωρεῖ πρὸς ἀκτὰς οὗ τέθριππος ἦν ὄχος.

|  |
| --- |
|  |
|  |

αὐτῷ δὲ σὺν κλύδωνι καὶ τρικυμίᾳ

|  |
| --- |
|  |
|  |

κῦμ᾿ ἐξέθηκε ταῦρον, ἄγριον τέρας·

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΑΓΓΕΛΟΣ suite **1215** οὗ πᾶσα μὲν χθὼν φθέγματος πληρουμένη

|  |
| --- |
|  |
|  |

φρικῶδες ἀντεφθέγγετ᾿, εἰσορῶσι δὲ

|  |
| --- |
|  |
|  |

κρεῖσσον θέαμα δεργμάτων ἐφαίνετο.

|  |
| --- |
|  |
|  |

1218 εὐθὺς δὲ πώλοις δεινὸς ἐμπίπτει φόβος**·**(D.) ( **.** L.)

|  |
| --- |
|  |
|  |

καὶ δεσπότης μὲν ἱππικοῖσιν ἤθεσιν

|  |
| --- |
|  |
|  |

**1220** πολὺς ξυνοικῶν ἥρπασ᾿ ἡνίας χεροῖν,

|  |
| --- |
|  |
|  |

ἕλκει δέ, κώπην ὥστε ναυβάτης ἀνήρ,

|  |
| --- |
|  |
|  |

1222 ἱμᾶσιν ἐς τοὔπισθεν ἀρτήσας δέμας·

|  |
| --- |
|  |
|  |

αἱ δ᾿ ἐνδακοῦσαι στόμια πυριγενῆ γνάθοις

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΑΓΓΕΛΟΣ suite 1224 βίᾳ φέρουσιν, οὔτε ναυκλήρου χερὸς

|  |
| --- |
|  |
|  |

**1225** οὔθ᾿ ἱπποδέσμων οὔτε κολλητῶν ὄχων

|  |
| --- |
|  |
|  |

μεταστρέφουσαι. κεἰ μὲν ἐς τὰ μαλθακὰ

|  |
| --- |
|  |
|  |

γαίας ἔχων οἴακας εὐθύνοι δρόμον,

|  |
| --- |
|  |
|  |

προυφαίνετ᾽ ἐς τὸ πρόεθεν, ὥςτ᾽ ἀναςτρέφειν,

|  |
| --- |
|  |
|  |

**1229** ταῦρος, φόβωι τέτρωρον ἐκμαίνων ὄχον·

|  |
| --- |
|  |
|  |

**Le point suivant est au vers 1233**

Apparat Diggle : **1208** **σκίρωνος** Ο: σκείρωνος fere ΩΝΔ (ςκείρρ- L, [Μ]; -ωνας D, -ωνος δ᾽ Μ)

Σκίρων - Ancient Greek (LSJ)

English (LSJ) [ῑ], ωνος, ὁ, Attic name for the wind. A which blew from the Scironian rocks in the Isthmus of Corinth

**Σκείρων**, ωνος (ὁ) Skeirôn (Sciron) :

 1 brigand qui fut tué par Thésée sur la frontière de l’Attique et de la Mégaride, XÉN. Mem. 2, 1, 14 ; PLAT. Theæt. 769 a, etc. ;

 2 lieu près de Mégare : Σκείρωνος ὄρη, NIC. Th. 214 ; Σκείρωνος ἀκτή, SOPH. fr. Æg. 1, 5 ; EUR. Hipp. 1208, c. Σκειρωνίδες.

Étym. cf. Σκίρων.

**20.12.2023 Extrait 13 : 1395-1425** (Diggle p268 Loeb p253)

 Hyppolite et Artémis

ΙΠΠΟΛΥΤΟΣ

**1395** ὁρᾷς με, δέσποιν᾿, ὡς ἔχω, τὸν ἄθλιον;

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΑΡΤΕΜΙΣ

ὁρῶ· κατ᾿ ὄσσων δ᾿ οὐ θέμις βαλεῖν δάκρυ.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΙΠΠΟΛΥΤΟΣ

1397 οὐκ ἔστι σοι κυναγὸς οὐδ᾿ ὑπηρέτης.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΑΡΤΕΜΙΣ

οὐ δῆτ᾿· ἀτάρ μοι προσφιλής γ᾿ ἀπόλλυσαι.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΙΠΠΟΛΥΤΟΣ

οὐδ᾿ ἱππονώμας οὐδ᾿ ἀγαλμάτων φύλαξ.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΑΡΤΕΜΙΣ

**1400** Κύπρις γὰρ ἡ πανοῦργος ὧδ᾿ ἐμήσατο.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΙΠΠΟΛΥΤΟΣ

1401 ὤμοι, φρονῶ δὴ δαίμον᾿ ἥ μ᾿ ἀπώλεσεν.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΑΡΤΕΜΙΣ

**1402** τιμῆς ἐμέμφθη, σωφρονοῦντι δ᾿ ἤχθετο.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΙΠΠΟΛΥΤΟΣ

τρεῖς ὄντας ἡμᾶς ὤλεσ᾿, ᾔσθημαι, μία.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΑΡΤΕΜΙΣ

πατέρα γε καὶ σὲ καὶ τρίτην ξυνάορον.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΙΠΠΟΛΥΤΟΣ

**1405** ᾤμωξα τοίνυν καὶ πατρὸς δυσπραξίας.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΑΡΤΕΜΙΣ

ἐξηπατήθη δαίμονος βουλεύμασιν.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΙΠΠΟΛΥΤΟΣ

1407 ὦ δυστάλας σὺ τῆσδε συμφορᾶς, πάτερ.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΘΗΣΕΥΣ

ὄλωλα, τέκνον, οὐδέ μοι χάρις βίου.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΙΠΠΟΛΥΤΟΣ

1409 στένω σε μᾶλλον ἢ ᾿μὲ τῆς ἁμαρτίας.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΘΗΣΕΥΣ

**1410** εἰ γὰρ γενοίμην, τέκνον, ἀντὶ σοῦ νεκρός.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΙΠΠΟΛΥΤΟΣ

**1411** ὦ δῶρα πατρὸς σοῦ Ποσειδῶνος πικρά.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΘΗΣΕΥΣ

ὡς μήποτ᾿ ἐλθεῖν ὤφελ᾿ ἐς τοὐμὸν στόμα.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΙΠΠΟΛΥΤΟΣ

1413 τί δ᾿; ἔκτανές τἄν μ᾿, ὡς τότ᾿ ἦσθ᾿ ὠργισμένος.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΘΗΣΕΥΣ

δόξης γὰρ ἦμεν πρὸς θεῶν ἐσφαλμένοι.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΙΠΠΟΛΥΤΟΣ

**φεῦ·**

**1415** εἴθ᾿ ἦν ἀραῖον δαίμοσιν βροτῶν γένος.

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΑΡΤΕΜΙΣ

**1416** ἔασον· οὐ γὰρ οὐδὲ γῆς ὑπὸ ζόφον

|  |
| --- |
|  |
|  |

**1417** θεᾶς ἄτιμοι Κύπριδος ἐκ προθυμίας

|  |
| --- |
|  |
|  |

ὀργαὶ κατασκήψουσιν ἐς τὸ σὸν δέμας,

|  |
| --- |
|  |
|  |

ΑΡΤΕΜΙΣ suite : σῆς εὐσεβείας κἀγαθῆς φρενὸς χάριν·

|  |
| --- |
|  |
|  |

**1420** ἐγὼ γὰρ αὐτῆς ἄλλον ἐξ ἐμῆς χερὸς

|  |
| --- |
|  |
|  |

ὃς ἂν μάλιστα φίλτατος κυρῇ βροτῶν

|  |
| --- |
|  |
|  |

**1422** τόξοις ἀφύκτοις τοῖσδε τιμωρήσομαι.

|  |
| --- |
|  |
|  |

σοὶ δ᾿, ὦ ταλαίπωρ᾿, ἀντὶ τῶνδε τῶν κακῶν

|  |
| --- |
|  |
|  |

τιμὰς μεγίστας ἐν πόλει Τροζηνίᾳ

|  |
| --- |
|  |
|  |

**1425** δώσω· κόραι γὰρ ἄζυγες γάμων πάρος

|  |
| --- |
|  |
|  |

κόμας κεροῦνταί σοι, δι᾿ αἰῶνος μακροῦ

|  |
| --- |
|  |
|  |

**1427** πένθη μέγιστα δακρύων καρπουμένῳ.

|  |
| --- |
|  |
|  |